बिना चश्मे या वीआर हेडसेट के दर्शक करेंगे जंगल सफारी और अंतरिक्ष की सैर

- देश में पहली बार इंदौर चिड़ियाघर में मिलेगा 360 डिग्री इमर्सिव डोम का रोमांच
- 15 अगस्त के पहले शुरू हो सकता है नया आकर्षण

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. शहर का कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय चिड़ियाघर जल्द ही देश की एक अनूठी तकनीक का गवाह बनने जा रहा है. यहां स्थापित किया गया है 360 डिग्री इमर्सिव डोम बच्चों और बड़ों को बिना किसी वीआर हेडसेट या विशेष चश्मे के वर्चुअल दुनिया का ऐसा अनुभव देगा, मानो वे स्वयं उसी वातावरण का हिस्सा हों.

पिछले एक सप्ताह से डोम की तकनीकी टेस्टिंग जारी है और यदि सभी परीक्षण सफल रहे तो इसे 15 अगस्त से पहले दर्शकों के लिए शुरू किए जाने की तैयारी है. डोम के निर्माण और तकनीकी समन्वय से जुड़े

चिड़ियाघर प्रभारी उत्तम यादव ने बताया कि इमर्सिव डोम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें दर्शकों को अलग से कोई उपकरण पहनने की जरूरत नहीं पड़ती. विशाल 360 डिग्री स्क्रीन, अत्याधुनिक प्रोजेक्शन सिस्टम और चारों ओर गूंजती 7.1 सराउंड साउंड तकनीक दर्शकों को ऐसा अनुभव कराती है कि वे खुद जंगल, समुद्र या अंतरिक्ष के बीच मौजूद हों. एक साथ कई लोग इस अनुभव का आनंद ले सकते हैं. उन्होंने बताया कि डोम के भीतर केवल दृश्य और ध्वनि ही नहीं, बल्कि कुछ दृश्यों के दौरान बैठने की व्यवस्था में भी कंपन (वाइब्रेशन) महसूस होगा। इससे हर दृश्य और अधिक वास्तविक प्रतीत होगा. यदि स्क्रीन पर जंगल सफारी दिखाई जाएगी तो दर्शकों को ऐसा लगेगा मानो वे स्वयं जंगल के बीच सफर कर रहे हों, वहीं अंतरिक्ष पर आधारित फिल्म के दौरान चारों ओर ग्रह, तारे और आकाशगंगाएं दिखाई देंगी, जिससे अंतरिक्ष में होने का एहसास होगा. चिड़ियाघर में तैयार हो रहा यह इमर्सिव डोम अत्याधुनिक 8के प्रोजेक्शन तकनीक, उच्च क्षमता वाले मीडिया सर्वर, ऑटोमैटिक कैलिब्रेशन सिस्टम और 360 डिग्री प्रोजेक्शन स्क्रीन से लैस है. इसका उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शिक्षा को भी रोचक और अनुभवात्मक बनाना है. यहां वन्यजीव, पर्यावरण, अंतरिक्ष विज्ञान और अन्य शैक्षणिक विषयों पर आधारित विशेष फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी, ताकि बच्चे खेल-खेल में नई जानकारियां हासिल कर सकें.

क्या है इमर्सिव डोम?

इमर्सिव डोम एक गोलाकार थिएटर होता है, जिसकी पूरी छत और दीवारें प्रोजेक्शन स्क्रीन का काम करती हैं. 360 डिग्री प्रोजेक्शन, उच्च गुणवत्ता वाली ध्वनि और विशेष दृश्य प्रभावों के कारण दर्शक स्वयं को फिल्म या

देश का पहला सार्वजनिक अनुभव केंद्र

परियोजना से जुड़े चिड़ियाघर प्रभारी उत्तम यादव का कहना है कि इंदौर में तैयार हो रहा यह डोम संभवतः देश में अपनी तरह का पहला सार्वजनिक अनुभव केंद्र होगा, जहां दर्शकों को विश्वस्तरीय इमर्सिव तकनीक का अनुभव मिलेगा. चिड़ियाघर प्रभारी के अनुसार, टेस्टिंग अंतिम चरण में है. तकनीकी टीम प्रत्येक दृश्य, ध्वनि और विशेष प्रभावों की बारीकी से जांच कर रही है, ताकि उद्घाटन के बाद दर्शकों को निर्बाध और रोमांचक अनुभव मिल सके. यदि निर्धारित समय पर सभी तैयारियां पूरी हो जाती हैं तो स्वतंत्रता दिवस से पहले इंदौरवासियों को इस नई तकनीक का रोमांच देखने का अवसर मिलेगा.

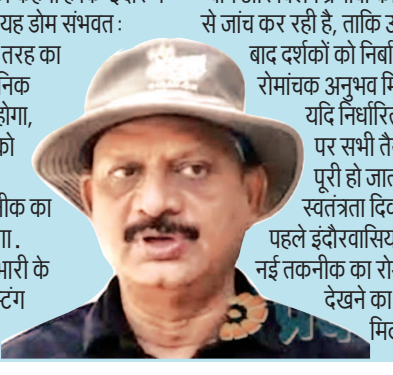

किशोर कुमार को सदाबहार गीतों से दी स्वरांजलि

स्वर सम्राट के 97वें जन्मदिवस पर सुरों से सजी संगीतमय शाम

इंदौर. संस्था स्वरम् द्वारा स्वर सम्राट किशोर कुमार के 97वें जन्मदिवस के अवसर पर सोमवार को जाल ऑडिटोरियम में भव्य संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में शहर के संगीत प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और किशोर कुमार के अमर गीतों की मधुर प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया. पूरा सभागार देर शाम तक तालियों और सुरों की गूंज से सराबोर रहा.

कार्यक्रम की शुरुआत से ही माहौल संगीतमय हो गया. जब मंच से फिल्म 'कर्ज' का लोकप्रिय गीत 'एक हसीना थी' प्रस्तुत किया गया तो श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया. इसके बाद एक के बाद एक किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की

मनमोहक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को उनके स्वर्णिम संगीत युग की याद दिला दी. कई दर्शक गीतों के साथ गुनगुनाते नजर आए, जिससे पूरे ऑडिटोरियम में एक आत्मीय और यादगार माहौल बन गया. कार्यक्रम में गायक विक्रांत शर्मा, संजय चित्रकार, रैना शर्मा एवं शिवांगी पाठक ने अपनी सुमधुर आवाज में किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर उन्हें भावभीनी स्वरांजलि अर्पित की. सभी कलाकारों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा और प्रत्येक गीत के बाद तालियों से उनका स्वागत किया. संगीत संयोजन बैंड सिंफनी के पिंटू कसेरा ने किया,. संचालन सुमिषा तिवारी ने किया. आयोजन के माध्यम से संस्था ने नई पीढ़ी को भी उनके अमर गीतों और संगीत विरासत से रूबरू कराया.

अच्छी शिक्षा के साथ रोज़गार देने में भी नंबर वन हो इंदौर

सुषमा दुबे
लेखिका, संस्थापक अध्यक्ष, विचार प्रवाह

नवभारत
कैसा हो सपनों का इंदौर

जब मैंने अपने सपनों के शहर इंदौर के बारे में सोचना शुरू किया तो मेरे दिमाग ने कल्पना की सुव्यवस्थित यातायात, अपराध एवं नशामुक्त इंदौर की. जहाँ जनप्रतिनिधि, अधिकारी, क़ानून के रखवाले, कर्मचारी, युवा और प्रत्येक नागरिक स्वयं अपनी ज़िम्मेदारी समझे.

जहाँ हर गली, मोहल्ले में स्वच्छता के साथ-साथ शांति, सौहद्रता, समृद्धि, सुरक्षा और शालीनता हो. हम जहाँ रहते हैं उस शहर से हमें अगाध प्रेम होता है हम सदैव उसका भला चाहते हैं. हम नहीं चाहते कि हमारे शहर घूमने आया एक भी मेहमान हमारे शहर के बारे में कुछ बुरी राय बनाकर जाए! हम नहीं चाहते कि रोजी-रोटी के लिए घर से निकला व्यक्ति यातायात से परेशान होकर ऑफिस पहुँचे, कोई छात्र भीड़ में फँस कर स्कूल -कॉलेज पहुँचने में लेट हो जाए या किसी जुलूस के कारण कोई कोई परीक्षा से वंचित रह जाए या एम्बुलेंस में दम तोड़ दे. हम नहीं चाहते कि सेहत की चाहत, बाजार या ऑफिस के लिए घर से निकली माता बहनें डर के माहौल में जिएं. हम नहीं चाहते कि नशे में धुत कोई व्यक्ति किसी नन्ही बालिका की अस्मिता से खिलवाड़ करे या किसी ख़ौफ़नाक अपराध को अंजाम दे. स्वच्छता में नंबर वन हमारा शहर पहली झलक में ही सब को आकर्षित कर लेता है लेकिन भागीरथपुरा जैसी घटनाएँ आगे मेरे शहर में ना हो.

सोचिए हमारे शहर यातायात नियमों का पालन करते नागरिक, हर छोटे-बड़े चौराहे पर ट्रैफ़िक पुलिस, पार्किंग में कतार में खड़ी गाड़ियाँ, अतिक्रमण रहित सड़कें, सुगम यातायात कल्पना से ही मन खुश हो गया.

प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाए

मिलनसारिता और अतिथि सत्कार के लिए प्रसिद्ध हमारे शहर में सब लोग एक दूसरे से जुड़े रहे, सुख-दुख साझा करें, वृद्धाश्रमों के लिए हमारे शहर में कोई स्थान न हो, बच्चों के लिए झूलाघर नहीं दादी-नानी की गोद मिले. पहले की तरह संयुक्त परिवार परंपरा का निर्वहन हो ताकि बुजुर्गों और बच्चों को सुरक्षा और अच्छा माहौल मिल सके. और अंत में प्रत्येक जन प्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक अपनी ज़िम्मेदारी अच्छे से निभाए तो असंभव कुछ भी नहीं है.

डॉ. रोशनी कुमारी ने युवाओं पर प्रभाव का किया अध्यन

सोशल मीडिया के संतुलित और जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता

इंदौर. सोशल मीडिया युवाओं के व्यवहार, सोच, निर्णय क्षमता और सामाजिक दृष्टिकोण को प्रभावित करता है. इसलिए इसके संतुलित एवं जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता है.

यह निष्कर्ष है डॉ. रोशनी कुमारी के शोध का. उनके शोध का विषय '18 से 25 आयु वर्ग के व्यवहार एवं अभिवृत्ति पर सोशल मीडिया का प्रभाव' रहा, जिसमें उन्होंने डिजिटल युग में युवाओं के व्यवहार, सोच, निर्णय क्षमता और सामाजिक दृष्टिकोण पर सोशल मीडिया के प्रभाव का गहन अध्ययन किया गया. डॉ. रोशनी ने रेनेसां विश्वविद्यालय इंदौर से पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है. इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, आईपीएस अकादमी की सहायक प्राध्यापक डॉ. रोशनी कुमारी ने शिक्षा, शोध और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. डॉ. रोशनी को शिक्षा के क्षेत्र में लगभग सात वर्ष तथा मीडिया एवं इंडस्ट्री में तीन वर्ष का अनुभव है. वे यूजीसी-नेट उत्तीर्ण हैं तथा शिक्षण, शोध और अकादमिक लेखन के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं. उनके कई शोध-पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं, जबकि राष्ट्रीय शोध-पत्र प्रकाशनाधीन हैं। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, कॉन्फ्रेंस, कार्यशालाओं और वेबिनार्स में सक्रिय सहभागिता कर अपने अकादमिक ज्ञान एवं कौशल का निरंतर विस्तार किया है.

शोध मार्गदर्शक के रूप में उन्होंने एम.ए. मास कम्युनिकेशन के 25 विद्यार्थियों के शोध-प्रबंध सफलतापूर्वक पूर्ण करवाए हैं. हिंदी भाषा के संवर्धन एवं साहित्यिक योगदान के लिए उन्हें हिंदी रक्षक राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है. इसके अलावा वर्ष 2018 में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन (एसजेएमसी) से एम.ए. मास कम्युनिकेशन में स्वर्ण पदक भी प्राप्त किया. विद्यार्थियों के लिए उनका संदेश है कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक उत्तरदायित्व और सकारात्मक परिवर्तन का आधार है. निरंतर सीखने की जिज्ञासा, नैतिक मूल्यों और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने वाला विद्यार्थी ही भविष्य का सशक्त नागरिक बनता है.

इंटर स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

इंदौर. बास्केटबॉल काम्प्लेक्स में 14वीं लेट सुनीता सिंह मेमोरियल इंटर स्कूल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का शुभारंभ हुआ. चैंपियनशिप में शहर के 104 स्कूलों के एक हजार खिलाड़ी खेल रहे है.

पहले दिन हुए बालिका वर्ग के मैच में एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल ने पिंक फ्लावर स्कूल को 45-2 के एकतरफा अंतर से हराया बालक वर्ग में इन्फेंट जीसस स्कूल ने सेंट अर्नाल्ड स्कूल विजय को 27-23 से हराया. आर्मी पब्लिक स्कूल ने सेंट जॉर्ज पब्लिक स्कूल को 58-14 से पराजित किया डीपीएस ने वर्ल्ड पीस स्कूल को 29-13 से हराया. मेडीकैप्स स्कूल ने एलजी अकेडमी को 28-25 से शिकस्त दी. एडवांस अकेडमी ने

पिंक फ्लावर स्कूल को 28-4 से पराजित किया. सन्मति स्कूल ने सेंट अर्नाल्ड को 50-45 से हराया. ओमनी स्कूल ने गोल्डन इंटरनेशनल स्कूल को 30-10 से हराया. कर्नल अकेडमी ने सिक्का स्कूल को 43-25 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया. उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक मधु वर्मा थे. अध्यक्षता एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष मुक्तेश सिंह ने की.

शासकीय स्कूल में नि:शुल्क भरतनाट्यम कार्यशाला

इंदौर। वरदा कला संस्थान द्वारा 3 और 4 अगस्त को शासकीय स्कूल चितावद में दो दिवसीय नि:शुल्क भरतनाट्यम कार्यशाला का आयोजन किया गया। निशुल्क कार्यशाला में 60 से अधिक छात्रों ने भारतीय नृत्य कला के गुर सीखे। कार्यशाला में छात्रों ने भरतनाट्यम का इतिहास,भूमिप्राणम, अड़वु, पाद भेद,हस्त मुद्रा, ताल ,लय, रग, के साथ ही शिव श्लोक अंगिकम भुवन यास्या वाचिकम ,पर नृत्य सिखा। कार्यशाला का उद्देश्य भारत की सबसे पुरानी कला को जनजन और नई पीढ़ी से अवगत कराना था। वरदा कला संस्थान की निर्देशिका श्रुति राजीव शर्मा का माला और स्मृति चिन्ह देकर सुनीता पांडे ने सम्मान किया।

'बचपन से आजीविका' पहल से बदल रही हजारों जिंदगियां

मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन युवाओं को बना रहा आत्मनिर्भर

इंदौर. आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों और युवाओं को शिक्षा, जीवन कौशल और रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन लगातार कार्य कर रहा है. संस्था अपनी 'बचपन से आजीविका' पहल के माध्यम से बच्चों और युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार कर रही है. इस पहल का उद्देश्य बच्चों को बचपन से ही सही मार्गदर्शन, शिक्षा और आवश्यक कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार योग्य बनाना तथा गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकालना है. संस्था के चाइल्डहुड कार्यक्रम के अंतर्गत 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोर-किशोरियों को नियमित शिक्षा के साथ जीवन कौशल, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, स्वास्थ्य, स्वच्छता और आत्मविश्वास जैसे विषयों पर गतिविधि आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है. इससे विद्यार्थी अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए भविष्य के लिए बेहतर तैयारी कर सकें. वहीं लाइवलीहुड कार्यक्रम के तहत 18 से 25 वर्ष के युवाओं को रोजगार के लिए तैयार किया जाता है. प्रशिक्षण में अंग्रेजी बोलने का कौशल, कंप्यूटर प्रशिक्षण, साक्षात्कार की तैयारी, बायोडाटा (रिज्यूमे) निर्माण, व्यक्तित्व विकास तथा कार्यस्थल पर आवश्यक व्यवहारिक कौशल सिखाए जाते हैं. प्रशिक्षण पूरा होने के बाद संस्था विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में भी सहयोग करती है।संस्था की विशेषता यह है कि पात्र लाभार्थियों के लिए सभी प्रशिक्षण और कार्यक्रम पूर्णत: नि:शुल्क हैं. मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन का मानना है कि यदि बच्चों और युवाओं को समय पर शिक्षा, जीवन कौशल और रोजगार संबंधी प्रशिक्षण मिले, तो वे न केवल अपना भविष्य संवार सकते हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. इसी उद्देश्य के साथ संस्था अपनी 'बचपन से आजीविका' पहल के माध्यम से देशभर में हजारों युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है.

एक नजर में सानंद नाट्य स्पर्धा में वेल एन वेल सोसायटी ने मराठी नाटक महामाता का अविस्मरणीय मंचन किया

महामाता : जीवन, मृत्यु और मातृत्व के अंतर्द्वंद्व की मार्मिक प्रस्तुति

इंदौर. 21 वीं सानंद नाट्य स्पर्धा में मंगलवार को वेल एन वेल सोसायटी ने मराठी नाटक महामाता का अविस्मरणीय मंचन किया. दरअसल, कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन पर चर्चा करना जितना कठिन होता है, उन्हें रंगमंच पर संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

इच्छामृत्यु ऐसा ही एक विषय है, जो आज विश्वभर में नैतिक, मानवीय और चिकित्सकीय बहस का केंद्र बना हुआ है. बढ़ती आयु, असाध्य रोग, दुर्घटनाओं से उत्पन्न स्थायी विकलांगता और असहनीय शारीरिक पीड़ा, इन परिस्थितियों में जीवन और मृत्यु के बीच खड़े मनुष्य की दुविधा को नाटक महामाता अत्यंत मार्मिकता और गहन संवेदना के साथ अभिव्यक्त करता है. प्रख्यात साहित्यकार वाचस्पती गो. श्री. बनहट्टी ने इस नाटक के माध्यम से केवल इच्छामृत्यु का प्रश्न नहीं उठाया, बल्कि मातृत्व, करुणा, त्याग और मानवीय विवशता की उन परतों को भी उद्घाटित किया है, जहां कोई निर्णय सही या गलत नहीं रह जाता, बल्कि केवल पीड़ा शेष रह जाती है। उनका लेखन कहीं भी उपदेशात्मक नहीं बनता, बल्कि दर्शकों को आत्ममंथन के लिए विवश करता है. नाटक का केंद्र है सेना का अधिकारी अविनाश, जो एक वायु

दुर्घटना के बाद स्थायी रूप से विकलांग हो जाता है. अपने उज्ज्वल भविष्य को अंधकार में डूबता देखकर वह स्वयं को 'जीवित लाश' के रूप में देखने लगता है. जीवन उसके लिए संघर्ष नहीं, बल्कि असहनीय यातना बन जाता है. अंतत: वह इच्छामृत्यु का निर्णय लेता है और इस निर्णय को पूरा करने के लिए अपनी जन्मदात्री मां से सहायता मांगता है. यहीं से नाटक अपने सबसे मार्मिक और हृदयविदारक मोड़ पर पहुंचता है. एक मां, जिसने बेटे को जन्म दिया, वही उसे मृत्यु की ओर विदा करने की असहनीय पीड़ा अपने भीतर समेटती है. यह दृश्य दर्शकों के मन को भीतर तक झकझोर देता है.

कलाकार
सुधांशु खरे, आशुतोष काणे, पराग जौहरी, श्रीकांत भोगले, सौ. रेखा देशपांडे, सौ. तन्वी भाटवडेकर।

दिग्दर्शक श्रीकांत भोगले ने इस अत्यंत संवेदनशील विषय को उल्लेखनीय परिपक्वता और कलात्मक संयम के साथ मंच पर साकार किया है. महामाता केवल एक पारिवारिक कथा नहीं है, बल्कि यह जीवन के अधिकार, मृत्यु की गरिमा, चिकित्सा नैतिकता और मानवीय संवेदनाओं पर गंभीर विमर्श प्रस्तुत करने वाला नाटक है. इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि यह किसी निष्कर्ष को थोपता नहीं, बल्कि दर्शकों को स्वयं विचार करने का अवसर देता है. यह नाटक केवल देखा नहीं जाता, बल्कि महसूस किया जाता हैऔर यही किसी श्रेष्ठ रंगकृति की सबसे बड़ी पहचान है।

किशोर के जन्मदिवस पर गूंजे सदाबहार नगमे

इंदौर. स्वर सम्राट और हिंदी सिनेमा के महान पार्श्व गायक किशोर कुमार के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को रीगल चौराहा स्थित प्रीतमलाल दुआ सभागृह में संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित एवं उभरते कलाकारों ने किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

किशोर कुमार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया. इसके बाद एक के बाद एक कलाकारों ने उनके लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति दी. जैसे ही रूप तेरा मस्ताना, मेरे सपनों की रानी, पल पल दिल के पास, ओ मेरे दिल के चैन और जीवन से भरी तेरी आंखें जैसे कालजयी गीत सभागृह में गूंजे, श्रोता भी सुरों के साथ झूम उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे. पूरे आयोजन का वातावरण संगीत, यादों और भावनाओं से सराबोर रहा तथा उपस्थित श्रोताओं ने स्वर सम्राट किशोर कुमार को अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की.